Vol-13 Special Issue- 2.1 ISSN- 2349-7076

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter)
Patron: Prof. R. G. Kothari
Chief Editor: Prof. Jignesh B. Patel
Email:- Mo. 9429429550 ctefeduinspire@gmail.com

एनईपी-२०२० एवं कला-एकीकृत-शिक्षाः रचनात्मक शिक्षाशास्त्र द्वारा शिक्षण अधिगम का रूपात्मक नवोन्मेष

प्रस्तोत्री
आर्यप्रभा वसंतराव काळे

मार्गदर्शक
डॉ. सुहासकुमार रूपराव पाटील
संस्थानम्: शासकीय अध्यापक महाविद्यालय, यवतमाळ

अमूर्त
पृष्ठभूमि

समकालीन भारतीय विद्यालयी शिक्षा लंबे समय से औपनिवेशिक मैकालेवादी पद्धति के प्रभावस्वरूप यात्रिक कण्ठस्थीकरण और परीक्षा केन्द्रित प्रणालियों से आक्रान्त रही है। इस संकीर्ण दृष्टिकोण ने शिक्षार्थियों की रचनात्मक, सामाजिक संवेगात्मक और संज्ञानात्मक क्षमताओं को संकुचित कर दिया। इस शैक्षणिक गतिरोध के निवारणार्थ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (नेप) २०२० प्राचीन भारतीय समग्र जान-परम्परा के आलोक में कला एकीकृत शिक्षा (आर्ट इंटीग्रेटेड लर्निंग - एल) को एक मुख्यधारा के अनुभवात्मक और बह-विषयक शिक्षाशास्त्र के रूप में अनुशंसित करती है।

उद्देश्यः प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य कला एकीकृत शिक्षा की अवधारणात्मक गहराई, इसकी शास्त्रीय भारतीय सौंदयैशास्त्रीय जड़ों (चैतः षष्टि कलाएँ तथा नाट्यशास्त्र) और आधनिक शिक्षार्थी-केंद्रित सिदधांतों के साथ इसके अंतर्संबंधों का समालोचनात्मक मूल्यांकन करना है। इसके साथ ही, यह शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं पर इसके प्रभाव, शिक्षक की सक्षमता और इसके व्यावहारिक क्रियान्वयन के मार्ग में आने वाली ढाँचागत तथा प्रशासनिक चुनौतियों का विश्लेषण करता है।

शोध पद्धतिः यह अध्ययन एक गुणात्मक समीक्षात्मक और विश्लेषणात्मक अनुसंधान विन्यास पर आधारित है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ-से २०२३), एनसीईआरटी के राष्ट्रीय दिशानिर्देशों, यूनेस्को के सांस्कृतिक और कला शिक्षा ढाँचे (२०२४) और शास्त्रीय संस्कृत ग्रंथों के साथ-साथ १५ से अधिक अनुभवजन्य शोध पत्रों का गहन दस्तावेजी विश्लेषण (डॉक्यूमेंट एनालिसिस) किया गया है।

निष्कर्षः विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कला एकीकृत शिक्षा शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक, संवेगात्मक और मनोप्रेरणात्मक पक्षों का संतुलित विकास करती है। यह समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने और रटंत प्रणाली को योग्यता-आधारित शिक्षा में बदलने में अत्यधिक प्रभावी है। हालाँकि, अप्रशिक्षित शिक्षक, रूढ़िवादी मूल्यांकन प्रणालियों और ढाँचागत कमियाँ इसके क्रियान्वयन में प्रमुख बाधाएँ हैं।

निहितार्थः यह शोध नीति निर्माताओं, विद्यालयों और शिक्षक शिक्षा संस्थानों के लिए व्यावहारिक, साक्ष्य-आधारित रणनीतियाँ प्रस्तुत करता है ताकि कला को ज्ञानार्जन के प्राथमिक माध्यम के रूप में कक्षा में स्थापित किया जा सके,

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

मुख्य शब्द

कला-एकीकृत शिक्षा; राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020; अनुभवात्मक अधिगम: चौंसठ कलाएँ; रंगमंच, रुचि का उत्पादन; भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस); रचनात्मक शिक्षाशास्त्र।

प्रस्तावना

२१वीं सदी का वैश्विक परिदृश्य तीव्र तकनीकी व्यवधानों, सूचनाओं के विस्फोट और अभूतपूर्व सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों द्वारा चिन्हित है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए आधुनिक शिक्षा प्रणाली को ऐसे नागरिकों का निर्माण करना होगा जो न केवल अकादमिक रूप से सक्षम हों, बल्कि रचनात्मक, लचीले और जटिल समस्याओं का नवीन समाधान खोजने में समर्थ हों। हालांकि, भारत की ऐतिहासिक विद्यालयी शिक्षा प्रणाली काफी हद तक औपनिवेशिक विरासत से प्रभावित रही है, जिसने शिक्षा को अत्यधिक खंडित, यांत्रिक और केवल परीक्षाओं में अंक प्राप्त करने का साधन बना दिया।

साहित्यसंगीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।

तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम्॥ (नीतिशतकम्, १२)

अर्थात् साहित्य, संगीत और कला से हीन मनुष्य बिना पूँछ और सींग का साक्षात् पशु है। वह घास न खाता हुआ भी जीवित रहता है, यह पशुओं का परम सौभाग्य है। यह श्लोक स्पष्ट करता है कि सौंदर्यशास्त्रीय चेतना और कलात्मक संवेदनशीलता के अभाव में मनुष्य का बौद्धिक विकास पश्वत ही रहता है।

इस गंभीर शैक्षिक संकट के प्रत्युत्तर में, भारत सरकार द्वारा घोषित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) २०२० भारतीय शिक्षा प्रणाली के पुनरुद्धार के लिए एक युगांतकारी विज़न प्रस्तुत करती है। यह नीति रटंत प्रणाली से परे एक ऐसे समग्र, बह-विषयक और अनुभवात्मक अधिगम प्रतिमान की वकालत करती है जो मस्तिष्क के दोनों गोलार्धों का संतुलित विकास कर सके। इस विज़न को साकार करने का सबसे शक्तिशाली माध्यम 'कला एकीकृत शिक्षा' (Art Integrated Learning - AIL) है। कला एकीकृत शिक्षा एक ऐसा पाठ्यक्रमेतर (Cross-Curricular) शैक्षणिक दृष्टिकोण है जहाँ विभिन्न कला रुपों (दृश्य, प्रदर्शन और साहित्यिक कला) को अन्य विषयों, जैसे कि गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन और भाषाओं को सिखाने और उनके मूल्यांकन के प्राथमिक माध्यम के रूप में उपयोग किया जाता है।

ऐतिहासिक रूप से, कला और ज्ञान का संबंध भारतीय सभ्यता में कभी भी विभाजित नहीं रहा। प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली में 'चतुःषष्टि कलाएँ (६४ कलाएँ) और '१४ विद्याएँ सह-अस्तित्व में थीं, जो यह दर्शाती है कि व्यावहारिक कौशल और बौदधिक ज्ञान का समन्वय ही पूर्ण मनुष्य का निर्माण करता है। आधुनिक संदर्भ में, यूनेस्को के महत्वपूर्ण नीतिगत ढाँचे, जैसे 'सियोल एजेंडाः कला शिक्षा के विकास के लक्ष्य' (२०१०) और 'सांस्कृतिक एवं कला शिक्षा के लिए यूनेस्को ढाँचा २०२४', कला शिक्षा को एक वैश्विक सार्वजनिक भलाई के रूप में मान्यता देते हैं जो सामाजिक सामंजस्य, सांस्कृतिक विविधता की समझ और मानव कल्याण को बढ़ावा देती है।

वैचारिक ढांचा (Concptual Framework)

कला एकीकृत शिक्षा की सैद्धांतिक नींव मनोविज्ञान, संज्ञानात्मक विज्ञान और प्राचीन सौंदर्यशास्त्र के सिद्धांतों के एक अनूठे संश्लेषण पर आधारित है।

कला शिक्षा की परिभाषा और प्रकृतियाँ

कला शिक्षा को समझने के लिए "कला में शिक्षा" (एजुकेशन इन आर्ट्स) और "कला के माध्यम से शिक्षा (Education through Arts) के बीच अंतर करना आवश्यक है। 'कला में शिक्षा' जहाँ कला रूपों के तकनीकी कौशल और विशेषजता के

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

विकास पर केंद्रित है, वहीं 'कला के माध्यम से शिक्षा' (AIL) कला का उपयोग अन्य शैक्षणिक विषयों को समझाने और सीखने के एक उपकरण के रूप में करती है।

अंतःविषय और समेकित अधिगम सिद्धांत (Integrated Learning Theory)

यह सिद्धांत मानता है कि वास्तविक दुनिया का ज्ञान अलग-अलग खानौ (सिलोस) में विभाजित नहीं है, बल्कि वह परस्पर जुड़ा हुआ है। कला एकीकृत शिक्षा पाठ्यचर्या के विषयों के बीच की कृत्रिम सीमाओं को समाप्त करती है।

रचनावादी और अनुभवात्मक अधिगम सिद्धांत (Constructivist & Experiential Learning)

जीन पियाजे और लेव वायगोत्स्की के रचनावादी प्रतिमान के अनुसार, शिक्षार्थी सक्रिय रूप से जान का निर्माण करते हैं. जॉन डीवी के ऐतिहासिक कार्य 'आर्ट एज एक्सपीरियंस (१९३४) के अनुसार सौंदर्यशास्त्रीय अनुभव मनुष्य और उसके पर्यावरण के बीच एक सक्रिय अंतःक्रिया है। कलात्मक सृजन के दौरान छात्र योजना बनाते हैं, गलतियों करते हैं और सीखते हैं, जो डेविड कोल्ब के अनुभवात्मक चक्र के अनुरूप है।

बहु-बुद्धि सिद्धांत (Multiple Intelligence Theory)

हावर्ड गार्डनर (१९९०) का बह-बुद्धि सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि पारंपरिक विद्यालय केवल भाषाई और तार्किक-गणितीय बुदधिमतों को प्राथमिकता देते हैं। कला एकीकृत शिक्षा अपनी बहु-संवेदी प्रकृति के कारण दृश्य-स्थानिक, शारीरिक-गतिसंवेदी और संगीतमय योग्यताओं को सक्रिय करती हैं।

भारतीय सौंदर्यशास्त्र और रस सिद्धांत (Rasa Theory)

संस्कृत सौंदर्यशास्त्र में, आचार्य भरतमुनि का रस-सूत्र कला-एकीकृत शिक्षण का सर्वोच्च दार्शनिक आधार है: **विभावानुभावव्याभिचारिसंयोगद्रसनिष्पतिः। (नाट्यशास्त्रम, ६.३१)**

जब कक्षा कक्ष में शुष्क शैक्षणिक विषयों (जैसे गणित या भौतिकी) को विभाव (पाठ्यवस्तु/उद्दीपन), अनुभाव (शारीरिक अभिनय/कलात्मक अभिव्यक्ति) और व्यभिचारी भावों (रचनात्मक उत्साह) के संयोग से प्रस्तुत किया जाता है, तब छात्र के भीतर 'रस' (सौंदर्यशास्त्रीय आनंद एवं तन्मयता) की निष्पति होती है। यह रस-अनुभूति ही शिक्षार्थी को 'सहृदय' बनाती है और जान को स्थायी बनाती है।

वैचारिक सिद्धांत	मुख्य प्रणेता	कला एकीकृत शिक्षा (AIL) में अनुप्रयोग
रचनावाद	पियाजे, वायगोत्स्की	शिक्षार्थी कला के माध्यम से स्वयं अर्थ और अवधारणाओं का निर्माण करते हैं।
अनुभवात्मक अधिगम	जॉन डीवी, डेविड कोल्ब	"करके सीखने" पर बल, कला सृजन और चिंतन का चक्र।
बह-ब्रद्धि सिद्धांत	हावर्ड गार्डनर	दृश्य, श्रव्य और शारीरिक गतिविधियों द्वारा विविध बुद्धिमता को सक्रिय करना।
अपसारी चिंतन	जे.पी. गिलफोर्ड	बंद-अंत वाले प्रश्नों के बजाय बह-समाधान वाली रचनात्मक परियोजनाओं को प्रोत्साहन ।
रस सिद्धांत	भरत मुन्नी, अभिनवगुप्त	शुष्क विषयों को सौंदर्यशास्त्रीय आनंद और भावनात्मक जुड़ाव में बदलना।

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

साहित्य की समालोचनात्मक समीक्षा (Review of Literature)

कला एकीकृत शिक्षा और रचनात्मक शिक्षाशास्त्र के प्रभाव को समझने के लिए वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर प्रचुर शोध उपलब्ध हैं।

डॉ. पूनम श्रीवास्तव (२०२३) के शोध पत्र 'आर्ट इंटीग्रेटेड लर्निंगः एन इनोवेटिव एंड इंक्लूसिव एप्रोच टू एजुकेशन' में कला को समावेशी शिक्षा के एक सशक्त उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया गया है। श्रीवास्तव का तर्क है कि कला एकीकृत शिक्षा कक्षाओं में ३६० डिग्री समग्र शिक्षण वातावरण का निर्माण करती है, जो संज्ञानात्मक डोमेन के साथ-साथ सामाजिक-भावनात्मक, व्यवहारिक और मनोप्रेरणात्मक डोमेन के संतुलित विकास को लक्षित करती है।

शशिका सरकार और चित्रा सिंह (२०२४) द्वारा मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के इच्छावर ब्लॉक में किए गए अनुभवजन्य मूल्यांकन में कला एकीकृत शिक्षा के जमीनी स्तर के प्रभावों का अध्ययन किया गया। इस मिश्रित-विधि शोध ने उद्घाटित किया कि कला एकीकरण के बाद प्राथमिक स्कूलों में छात्रों के नामांकन, कक्षा में उनकी उपस्थिति, अनुशासन और सक्रिय सहभागिता में भारी सुधार हुआ। अकादमिक प्रदर्शन के मोर्चे पर, मैसूर विश्वविद्यालय के डॉ. सुजाता ऐस. और डॉ. नागेश एन. के अध्ययन ने प्राथमिक स्तर के बच्चों के शैक्षणिक अंकों पर कला एकीकृत अधिगम के प्रभाव का मूल्यांकन किया। उनके निष्कर्षों से पुष्टि हुई कि जिन छात्रों को कला-आधारित पद्धतियों से पढ़ाया गया, उन्होंने गणित और विज्ञान जैसे जटिल विषयों में पारंपरिक रटंत प्रणाली से पढ़ने वाले अर्जा की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, पैन और चेन (२०१९) के अध्ययन ने विज्ञान की कक्षाओं में दृश्य कलाओं (विजुअल आर्ट्स) के एकीकरण के महत्व को रेखांकित किया। इसी प्रकार, अहसान और अन्य (२०२०) ने सामाजिक विज्ञान में नाटक और भूमिका निर्वहन (Drama and Role Play) के एकीकरण का अध्ययन किया और पाया कि इससे छात्रों की कल्पनाशक्ति, ऐतिहासिक सहानुभूति और आलोचनात्मक सोच में क्रांतिकारी सुधार हुआ, इसके विपरीत, कुलकर्णी (२०१६) और प्रभु एवं कामथ (२०१७) के शोधों से स्पष्ट होता है कि जैसे-जैसे छात्र उच्च प्राथमिक से माध्यमिक स्तर पर पहुँचते हैं, रटने और परीक्षा के बढ़ते दबाव के कारण उनकी रचनात्मकता का स्तर तेजी से गिरता है।

शिक्षक तैयारी के संदर्भ में, लोबप्रिस (२०१६) और बर्टन एवं अन्य (२००५) के शोधों ने कला और विज्ञान के शिक्षकों के बीच सहयोगात्मक मॉडल की प्रभावशीलता का विश्लेषण किया। उनके निष्कर्ष दर्शाते हैं कि जब विषय शिक्षक और कला शिक्षक मिलकर पाठ योजना बनाते हैं, तो न केवल शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ती है, बल्कि शिक्षकों के बीच एक मजबूत व्यावसायिक समुदाय का विकास होता है।

प्रवीन (२०२१) के अध्ययन ने अंग्रेजी भाषा शिक्षण में कला के एकीकरण की वकालत की और दर्शाया कि इससे छात्रों के भाषाई और अभिव्यक्ति कौशल में सुधार हुआ। शमल और साखरे (२०२४) ने भी कला एकीकृत कार्यक्रमों के सकारात्मक अकादमिक परिणामों की पुष्टि की। गणितीय शिक्षाशास्त्र में, मसूद और अन्य (२०१३) तथा एन और अन्य (२०१३) के अध्ययनों ने साबित किया कि कला अनुभवों से छात्रों की गणितीय समस्या-समाधान क्षमता और संज्ञानात्मक जुड़ाव में वृद्धि होती है।

चिन्हित शोध अंतराल (Research Gaps)

साहित्य की इस व्यापक समीक्षा से तीन प्रमुख शोध अंतराल उभरते हैं:

माध्यमिक स्तर पर अनुभवजन्य साक्ष्यों की कमीः अधिकांश शोध प्राथमिक स्तर पर केंद्रित हैं। माध्यमिक कक्षाओं (९वी से १२वीं) में कला एकीकरण की व्यावहारिक प्रभावकारिता पर बहुत कम शोध हुआ है।

मूल्यांकन विधियों का अभावः कला एकीकृत गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के संज्ञानात्मक विकास का सटीक, विश्वसनीय और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन कैसे किया जाए, इस पर मानकीकृत रुब्रिक्स का अभाव है।

भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) का एकीकरणः प्राचीन भारतीय ६४ कलाओं के सिद्धांतों को आधुनिक विज्ञान और गणित की

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

पाठ्यपुस्तकों में व्यावहारिक रूप से एकीकृत करने की कार्यप्रणाली पर अकादमिक साहित्य अत्यंत सीमित है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और कला-एकीकृत शिक्षा: नीति समन्वय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० कला एकीकृत शिक्षा को केवल एक शिक्षण पद्धति नहीं मानती, बल्कि इसे संपूर्ण शिक्षा प्रणाली के पुनर्गठन और संस्कृति-शिक्षण एकीकरण की धुरी के रूप में स्थापित करती है।

नीतिगत प्रावधान और विजन

NEP २०२० के पैरा ४.७ में कला एकीकरण की व्यापक अनुशंसा की गई है। नीति के अनुसार, कला और संस्कृति का एकीकरण न केवल कक्षाओं को आनंदमयी और तनाव-मक्त बनाता है, बल्कि यह छात्रों में अपनी राष्ट्रीय पहचान, इतिहास और विविधता के प्रति गहरा सम्मान भी पैदा करता है।

समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का सुदृढ़ीकरण

पारंपरिक शिक्षा में कला, विज्ञान और वाणिज्य के बीच जो विभाजन था, उसे NEP २०२० पूरी तरह से खारिज करती है। नीति के अनुसार, भविष्य की अर्थव्यवस्था को एक ऐसे बह-विषयक कार्यबल की आवश्यकता होगी जो विज्ञान के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं और कलात्मक दृष्टि से लैस हो।

भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System - IKS) का पुनरुद्धार

IKS और कला एकीकृत शिक्षा का समन्वय सबसे महत्वपूर्ण और मौलिक पहलू है। उपनिषदों में जान के दो रूपों की चर्चा मिलती है जो समग्र शिक्षा की आधारशिला है:

द्वे विद्ये वेदितव्ये इति ह स्म यद् ब्रह्मविदो वदन्ति परा चैवापरा च । (मुण्डकोपनिषद्, १.१.४)

यहाँ 'अपरा विद्या' में सांसारिक विषय, कलाएँ और विज्ञान शामिल हैं, जबकि परा विद्या आध्यात्मिक है। आत्म-बोध की ओर ले जाती है। इसी प्रकार, ईशावास्योपनिषद् में विद्या और अविद्या (व्यावहारिक कौशल और आध्यात्मिक मूल्य) दोनों के संतुलन पर बल दिया गया है:

विद्यां चाविद्या च यस्तद्वेदोभयं सह। अविद्यया मृत्युं तीर्ध्वा विद्ययामृतमश्नुते ॥ (ईशावास्योपनिषद्, ११)

प्राचीन भारत की चौसठ कलाएँ (64 कलाएँ) इसी व्यावहारिक और सौंदर्यपरक समन्वय का परिणाम थीं। शुक्र नीति के अनुसार, कला का स्वरूप अत्यंत व्यापक है।

विद्या ह्यनन्ताश्च कलाः संख्यातुं नैव शक्यते। विद्या मुख्याश्च द्वात्रिंशच्चतुःषष्टिकलाः स्मृताः ॥

(शुक्रनीतिः ४.३.४७)

शक्राचार्य के अनुसार, विद्याएँ अनंत हैं और कलाओं की संख्या की गणना नहीं की जा सकती, फिर भी ३२ विद्याएँ और ६४ कलाएँ मुख्य हैं। इन कलाओं में केवल गीत, वाद्य और नृत्य ही शामिल नहीं थे, बल्कि आलेख्यम (चित्रकला), मृतिका कार्य (मिट्टी शिल्प), धातुवाद (धातु विज्ञान), वृक्षायुर्वेद (बागवानी और वानिकी) और यंत्रमातृका (मशीन मेकिंग) जैसे व्यावहारिक कौशल भी शामिल थे। कला एकीकृत शिक्षा के माध्यम से इन ६४ कलाओं को आधुनिक विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान की कक्षाओं में पुनर्जीवित किया जा सकता है।

विद्यालयी शिक्षा में कला एकीकृत अधिगम की बहुआयामी भूमिका

विद्यालयी शिक्षा के स्तर पर कला एकीकृत अधिगम का प्रभाव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षार्थी के मस्तिष्क की संरचना और सामाजिक व्यवहार को गहराई से रूपांतरित करता है।

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

संज्ञानात्मक विकास और मस्तिष्क प्लास्टिसिटी (Congnitive Development)

न्यूरोसाइंस के आधुनिक अध्ययन दर्शाते हैं कि कलात्मक गतिविधियाँ जैसे चित्रकला, संगीत और अभिनय मस्तिष्क के विभिन्न क्षेत्रों के बीच नए सिनैप्टिक कनेक्शन (Synaptic Connections) विकसित करते हैं। जब छात्र किसी अमूर्त अवधारणा को दृश्य या संगीतमय रूप में बदलते हैं, तो वे अपनी दीर्घकालिक स्मृति (Long-term Memory) को सुदृढ़ करते हैं।

भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र में कला के इस व्यापक संज्ञानात्मक प्रभाव की व्याख्या की है:

न तज्जनं न तच्छिलपं न सा विद्या न सा कला। नासौ योगो न तत्कर्म नाट्येऽस्मिन् यन्न दृश्यते ।।

(नाट्यशास्त्रम, १.११६)

अर्थात ऐसा कोई जान नहीं, ऐसा कोई शिल्प नहीं, ऐसी कोई विद्या नहीं, ऐसी कोई कला नहीं, ऐसा कोई योग नहीं और ऐसा कोई कर्म नहीं जो इस नाट्य (कलात्मक प्रस्तुत्ति) में दिखाई न देता हो। कला एकीकृत शिक्षा इसी सूत्र को अपनाकर संपूर्ण पाठ्यचर्या को अपने भीतर समाहित करती है।

सामाजिक और भावनात्मक विकास (Socio-Emotional Development)

कला बर्चा के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का एक कैथार्टिक (रेचनकारी) माध्यम है। यह छात्रों में परीक्षा के प्रति घबराहट और स्कूल के डर को कम करती है।

समावेशी शिक्षा और समता (Inclusive Education)

विविध क्षमताओं वाले शिक्षार्थियों (दिव्यांग /CWSN) के लिए कला एकीकृत शिक्षा एक अत्यंत संवेदनशील और समतामूलक वातावरण तैयार करती है। जहाँ पारंपरिक लिखित परीक्षाएँ मूक-बधिर या डिस्लेक्सिया से पीड़ित बच्चों को पीछे धकेल देती हैं, वहाँ चित्रकला, मिट्टी की कला और संगीत उन्हें अपनी बुद्धि प्रदर्शित करने का एक सम्मानजनक मंच देते हैं।

कला एकीकरण और शिक्षक सक्षमता (Teacher Competency)

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का वास्तविक रूपांतरण परी तरह से शिक्षक की सक्षमता और उनके शैक्षणिक दृष्टिकोण में आने वाले बदलाव पर निर्भर करता है। कला एकीकृत शिक्षा के लिए शिक्षकों को अपनी पारंपरिक भूमिका को बदलकर 'सूत्रधार' (Sutradhara/Faciilitator) के रूप में ढलना होगा.

प्राचीन काल में चरकसंहिता के अंतर्गत उत्तम अध्यापक के जो लक्षण बताए गए हैं, वे कला एकीकृत शिक्षक के लिए पूर्णतः प्रासंगिक हैं:

अनुपस्कृतविद्यमनहङ्कृतमनसूयकमकोपनं क्लेशक्षमं शिष्यवत्सलम् - अध्यापकं ज्ञापनसमर्थ चेति।

(चरकसंहिता, विमानस्थानम् ८.७)

अर्थात् जो शिक्षक अपनी विद्या में परिपक्व हो, अहंकार रहित हो, ईर्ष्या न करने वाला हो, क्रोध से मुक्त हो. पैर्यवान हो, शिष्यों के प्रति स्नेही हो और अपनी बात को स्पष्टता से समझाने (ज्ञापयितुं समर्थः) में सक्षम हो।

शैक्षणिक सक्षमता और पाठ योजना में नवाचार

कला एकीकृत शिक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों को चार चरणों वाली पाठ योजना का संपादन करना चाहिए:

विषय का चयन और पूर्व जान से जुड़ावः शिक्षक पहले पाठ्यचर्या से किसी कठिन अवधारणा का चयन करता है।

कलात्मक माध्यम का नियोजनः विषय के अनुकूल उपयुक्त कला रूप (जैसे थियेटर, कोलाज, संगीत) का चयन।

सक्रिय सहभागिता और प्रयोगः छात्र स्वयं समूहों में कलात्मक गतिविधि का संपादन करते हैं.

प्रतिबिंब और संज्ञानात्मक जुडावः छात्र कलात्मक प्रस्तुति के बाद सीखी गई अवधारणा पर सामूहिक चर्चा करते हैं।

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

क्रियान्वयन के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ

कला एकीकृत शिक्षा के दार्शनिक और व्यावहारिक लाभ जितने गहरे हैं, भारतीय संदर्भ में इसके क्रियान्वयन का मार्ग उतना ही चुनौतीपूर्ण है.

प्रशिक्षित शिक्षकों की भारी कमीः वर्तमान में कार्यरत अधिकांश शिक्षकों को पारंपरिक व्याख्यान विधियों से प्रशिक्षित किया गया है. शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों (जैसे बी.एड. और डी.एल.एड.) में कला एकीकरण की उपेक्षा की गई है।

बुनियादी ढाँचे और संसाधनों की अनुपलब्धताः भारतीय ग्रामीण और सरकारी स्कूलों में बुनियादी कला सामग्रियों जैसे रंग, ब्रश, मिट्टी और संगीत वाद्ययंत्रों की भारी कमी है।

मूल्यांकन प्रणालियों का अंतर्निहित विरोधाभासः वर्तमान शिक्षा प्रणाली अभी भी अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और बोर्ड परीक्षाओं के अंकों से संचालित होती है। जब तक अंतिम मूल्यांकन केवल लिखित परीक्षाओं पर आधारित रहेगा, तब तक शिक्षक और स्कूल प्रबंधन कला एकीकृत गतिविधियों को केवल एक सह-शैक्षणिक गतिविधि मानेंगे।

रणनीतिक अनुशंसाएँ

इन बहुआयामी चुनौतियों का समाधान करने और कला एकीकृत शिक्षा को भारतीय शिक्षा प्रणाली के मूल स्वभाव में शामिल करने के लिए निम्नलिखित साक्ष्य-आधारित अनुशंसाएँ प्रस्तुत की जाती है:

विद्यालयों के लिए व्यावहारिक रणनीतियाँ

लचीली समय सारणी और स्थान का सृजनः स्कूलों को दैनिक समय सारणी में लचीलापन लाना होगा ताकि सप्ताह में कम से कम दो दिन अंतःविषय कला परियोजनाओं के लिए समर्पित खंड (ब्लॉक पीरियड्स) उपलब्ध कराए जा सकें।

सहयोगात्मक पाठ योजना (Collaborative Lesson Planning): विषय शिक्षकों (गणित, विज्ञान, भाषा) और कला शिक्षकों के बीच संयुक्त नियोजन बैठके आयोजित की जानी चाहिए, जिससे वे मिलकर विषय की कठिन अवधारणाओं के अनुकूल कला गतिविधियों का कैलेंडर तैयार कर सकें।

शिक्षक शिक्षा संस्थानों (TEIs) और डायट (DIET) के लिए अनुशंसाएँ

प्रवेश-पूर्व शिक्षक प्रशिक्षण में संरचनात्मक सुधारः बी.एड. और डी.एल.एड. के मुख्य पाठ्यक्रम में कला एकीकत शिक्षा को एक अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया जाए।

मेंटॉरशिप आधारित सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी): स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए केवल एक या दो दिन के सेमीनार आयोजित करने के बजाय, डायट (डाइट) के माध्यम से दीर्घकालिक मेंटॉरशिप कार्यक्रम शुरू किए जाएं।

नीति निर्माताओं और पाठ्यचर्या डेवलपर्स के लिए अनुशंसाएँ

मानकीकृत मूल्यांकन प्रणालियों का पुनर्गठनः सीबीएसई और अन्य राज्य बोर्डों को अपनी वर्तमान अंकन प्रणालियों को बदलना होगा। आंतरिक मूल्यांकन के अंकों में कला एकीकृत परियोजनाओं का भार (Weightage) बढ़ाया जाए.

स्थानीय कला-आधारित पाठ्यचर्या का विकासः एनसीईआरटी और राज्य पाठ्यपुस्तक मंडलों को स्थानीय कला रूपों (जैसे वली चित्रकला, कठपुतली कला, मुखौटा नृत्य) के आधार पर विषय-वार मार्गदर्शिकाएँ तैयार करनी चाहिए।

हितधारक	प्रमुख रणनीतिक हस्तक्षेप	अपेक्षित परिणाम (Outcomes)
विद्यालय	लचीला समय-पत्रक, संयुक्त पाठ योजनाएँ और समूह गतिविधियाँ	भय-मुक्त, आनंदमय और सहयोगात्मक कक्षा वातावरण का निर्माण।

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

TELs/ डायट	बीएड/डीएलएड पाठ्यक्रमों में कला एकीकृत मॉड्यूल का समावेश	नए शिक्षकों में कला-आधारित शिक्षण के प्रति व्यावहारिक आत्मविश्वास।
नीति निर्माता	बोर्ड परीक्षाओं का पुनर्गठन और विशेष कला बजट	नीति और स्कूल के व्यावहारिक स्तर के बीच के अंतर की समाप्ति।
पाठ्यचर्या निर्माता	स्थानीय लोक कलाओं के आधार पर विषयक गाइडबक्स का निर्माण	भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) का कक्षा में वास्तविक एकीकरण।

समालोचनात्मक विमर्श (Discussion)

प्रस्तुत शोध के समालोचनात्मक विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कला एकीकृत शिक्षा केवल पश्चिमी रचनावादी मॉडलों (जैसे पियाजे, वायगोत्स्की या डीवी) का अंधानुकरण नहीं है, बल्कि यह मूल रूप से भारतीय सौंदर्यशास्त्र और जान मीमांसा के साथ इन आधुनिक पश्चिमी सिद्धांतों का एक सुंदर सामंजस्य है। जॉन डीवी का यह विचार कि कला जीवन का संघनित और परिष्कृत रूप है, सीधे तौर पर भरत मुनि के रस सिद्धांत से मेल खाता है, जहाँ कलात्मक अनुभव को लौकिक सीमाओं से परे 'आनंद' का स्रोत माना गया है।

वैश्विक स्तर पर, 'स्टेम' (STEM) शिक्षा का 'स्टीम' (STEM) में विस्थापन यह स्वीकार करता है कि विज्ञान, प्रौदयोगिकी, इंजीनियरिंग और गणित को कला (Arts) के बिना पूरा नहीं किया जा सकता, क्योंकि कला ही नवाचार की आत्मा है। ओईसीडी (OECD) स्किल्स आउटलुक २०२५ भी इस बात की पुष्टि करता है कि भविष्य का श्रम बाजार केवल उन लोगों को पुरस्कृत करेगा जो तकनीकी रूप से सक्षम होने के साथ-साथ उच्च स्तर के
सामाजिक-भावनात्मक कौशल (Socio-emotional Skills) और रचनात्मकता से समृद्ध होंगे। हालांकि, भारतीय संदर्भ में इस नीति के क्रियान्वयन में 'मानकीकरण बनाम रचनात्मक स्वतंत्रता' का एक गहरा
अंतर्निहित दवंदव दिखाई देता है. कला एकीकृत शिक्षा स्वभाव से ही व्यक्तिपरक, विविधतापूर्ण और स्वतंत्र है। इसके विपरीत, आधुनिक स्कल प्रणालियों मानकीकरण, परीक्षा-उन्मुख ग्रेडिंग और कठोर प्रशासनिक नियंत्रण से संचालित होती हैं। जब हम किसी कलात्मक गतिविधि को एक निश्चित रुब्रिक या अनिवार्य प्रशासनिक चेकलिस्ट का हिस्सा बना देते हैं, तो हम अनजाने में कला की उस आत्मा का दमन कर देते हैं जो छात्र को प्रयोग करने की अनुमति देती है।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० और कला एकीकृत शिक्षा का समन्वय भारतीय विद्यालयी शिक्षा के इतिहास में एक क्रांतिकारी मील का पत्थर है। यह दृष्टिकोण शिक्षा की यांत्रिक और शुष्क प्रकृति को तोड़कर उसे मानव संवेदनाओं, रचनात्मकता और आनंद से सराबोर करने की असीम क्षमता रखता है। प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा के 'चतुःषष्टि कलाओं' के विज़न को समकालीन २१वीं सदी के कौशलों के साथ एकीकृत करके भारत एक ऐसी सुदृढ पीढ़ी का निर्माण कर सकता है जो न केवल वैश्विक स्तर पर तकनीकी रूप से अग्रणी होगी, बल्कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों, सहानुभूति और नैतिक मूल्यों से भी गहराई से जुड़ी होगी। भविष्य की ओर देखते हुए, भारत को 'विकसित भारत २०४७' और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को साकार करने के लिए अपने जनसांख्यिकीय लाभांश (Demographic Dividend) को नवाचार और रचनात्मक चिंतन के हथियारों से लैस करना

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

होगा। कला एकीकृत शिक्षा इस दिशा में कोई वैकल्पिक विकल्प नहीं है, बल्कि यह हमारी कक्षाओं को अधिक मानवीय, संवेदनशील, न्यायसंगत और जीवंत बनाने के लिए एक अनिवार्य ऐतिहासिक आवश्यकता है।

संदर्भ सूची (Primary Sanskrit Sources & References)

प्राथमिक संस्कृत ग्रन्थ (Primary Sanskrit Sources)

ईशावास्योपनिषद् (शंकर भाष्य सहित)। दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास.

चरक संहिता (विमानस्थान और सूत्रस्थान, चक्रपाणिदत्त द्वारा आयुर्वेद दीपिका व्याख्या के साथ)। चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

नाट्यशास्त्रम (भरतमुनि द्वारा संकलित, अभिनवगुप्त द्वारा अभिनवभारतितिका के साथ)। दिल्ली: ओरिएंटल बैंक डिपो।

नौतिशतकम (भर्तृहरिकृतम)। वाराणसी: चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।

मुण्डकोपनिषद (शंकर भाष्य के साथ)। दिल्ली। मोतीलाल बनारसीदास.

शुक्र नीतिसार (महर्षि शुक्राचार्य द्वारा संकलित)। वाराणसी: चौखंबा विद्या भवन.

आधुनिक सन्दर्भाः (Modern Academic References)

Government of India. (2020). National Education Policy 2020. Ministry of Human Resource Development.

NCERT. (2019). Art Integrated Learning: Guidelines for Elementary Stage. National Council of Educational Research and Training, New Delhi.

NCERT. (2023). Art Integrated Learning: Guidelines for Secondary Stage. National Council of Educational Research and Training, New Delhi.

Sarkar, S., & Singh, C. (2024). Teachers' and students' perception of Art Integration in Icchawar Block of Sehore District. Voices of Teachers and Teacher Educators, Regional Institute of Education (RIE), NCERT, Bhopal.

Srivastava, P. (2023). Art integrated learning: An innovative and inclusive approach to Education. International Education and Research Journal (IERJ), 9(7), 1-4.

Sujatha, S., & Nagesh, N. (2020). Art Integrated Learning and its impact on the academic achievement of elementary school children. University of Mysore Research Journal.

UNESCO. (2010). Seoul Agenda: Goals for the Development of Arts Education. Seoul: UNESCO

UNESCO. (2024). UNESCO Framework for Culture and Arts Education. Abu Dhabi World Conference on Culture and Arts Education.

इन स्त्रोतों से जानकारी ली गई

Objective Question with Answer for National Policy on Education (NPE) Free [PDF] Download - Testbook https://testbook.com/objective-questions/hn/mcq-on-national-policy-on-education-npe-Seea6a0a39140f30f369db58

Art-Integrated Pedagogy: Implementing the Vision of NEP 2020 in Classrooms Indian Journal of Modern Research and Reviews, https://mrrjournal.in/counter/d/3-8-9/MRR2025389.pdf

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

Art Integrated Pedagogy for Promoting Experiential Learning in Schools as envisioned in the National Education Policy (NEP) 2020-ResearchGate, https://www.researchgate.net/publication/406394990_Art_Integrated_Pedagogy_for_Promoting Experiential_Learning_in_Schools_as_envisioned_in_the_National_Education_Policy_NEP_2 020

Art Integrated Learning Guidelines for Secondary Stage - NCERT, https://ncert.nic.in/pdf/announcement/AILG-Secondary-English.pdf

Art Education - NCERT, https://ncert.nic.in/division/der/pdf/Art_Education.pdf

Arts Integrated Learning: An Innovative Approach To Education - IJCRT.org, https://ljcrt.org/papers/IJCRT2411607.pdf

International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR) - Innovative Pedagogy: An Attitudinal Study, https://www.ijfmr.com/papers/2025/2/42412.pdf

Indian Knowledge Systems and the 64Kalas view for Sustainable Skill Ecosystems: A Policy Analysis and Statistical Assessment -Deep Science Publishing, https://deepscienceresearch.com/dsr/catalog/download/371/1715/3278?inline=1

(PDF) EXPLORING THE POSSIBILITIES AND CHALLENGES OF ART-INTEGRATED LEARNING IN EVS AND SCIENCE CLASSROOMS - ResearchGate, https://www.researchgate.net/publication/395096881_EXPLORING_THE_POSSIBILITIES_AND_CHALLENGES_OF_ART-INTEGRATED_LEARNING_IN_EVS_AND_SCIENCE_CLASSROOMS

Teaching poetry through art integrated learning a study of john keats a thing of beauty, https://www.ijisrt.com/teaching-poetry-through-art-integrated-learning-a-study-of-john-keats-a-thing-of-beauty

UNESCO Framework for Culture and Arts Education, https://www.unesco.org/sites/default/files/medias/fichiers/2024/02/WCCAE_UNESCO%20Framework_EN_0.pdf

Art-Integrated Pedagogy for Inclusive Classroom: Transforming Learning forSpecial Needs Students and Teachers: Bibliometric Cum Review Analysis of the Last 25 Years -IJIP, https://ijip.in/articles/pedagogy/

Empowering Creativity: The Role of New Education Policy 2020 in enhancing Art Education, https://ijarsct.co.in/Paper28900.pdf

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड - CBSE Academics, https://cbseacademic.nic.in/web_material/Circulars/2025/43_Circular_2025.pdf

It takeshe(art) to transform education: Why NEP 2020 needs the power of the 64 kalas – ET Government,https://government.economictimes.indiatimes.com/blog/embracing-the-64-kalas-nhancing-education-with-nep-2020/128718398

UNESCO WORLD CONFERENCE ON CULTURE & ARTS EDUCATION,

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

https://www.unesco.org/sites/default/files/medias/fichiers/2024/03/WCCAE_Background%20document_EN.pdf

नीतशतकम https://sanskritsevasadan.blogspot.com/2019/11/blog-post_ html 18. नीतशतक |,

https://vichaarsankalan.wordpress.com/category/%E0%A4%A8%E0%A5%80%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%B6%E0%A4%A4%E0%A4%95/

Art Integrated Learning: Meaning &Benefits - Glendale International School, https://glendaleschool.org/in/glossary/art-integrated-learning-meaning-objectives-benefits-in-schools/

Practical Tips for Integrating Art in the Classroom - Extramarks, https://www.extramarks.com/blogs/teachers/art-integration/

National Education Policy 2020, https://static.pib.gov.in/WriteReadData/userfiles/NEP_Final_English_0.pdf

Art Integration -CBSE Academics, https://cbseacademic.nic.in/web_material/Circulars/2019/art_integration.pdf

Art Integrated Learning: An Innovative and Inclusive Mode of Teaching - ResearchGate, https://www.researchgate.net/publication/400837482_Art_Integrated_Learning_An_Innovative_and_Inclusive_Mode_of_Teaching

64 Kalas and 14 Vidyas of India | PDF | Vedas | Sanskrit Texts - Scribd, https://www.scribd.com/presentation/930011349/Arts-Vidhyas

Transformative Action on Arts Education: Re-invigorating the Seoul Agenda - Canadian Commission for UNESCO,https://en.ccunesco.ca/-/media/Files/Unesco/Resources/Our%20themes/Encouraging%20innovation/Position%20Paper.pdf

UNESCO (2010). Seoul Agenda: Goals for the Development of Arts Education. Seoul - AEC, https://sms.aec-music.eu/music-in-society/aec-annotated-bibliography/unesco-2010-seoul-agenda-goals-for-the-development-of-arts-education-seoul-unesco/

EPC-2 Drama & Art in Education | PDF | The Arts - Scribd, https://www.scribd.com/document/991145676/EPC-2-Drama-Art-in-Education

ART INTEGRATED LEARNING: AN INNOVATIVE AND INCLUSIVE APPROACH TO EDUCATION International Education and Research Journal (IERJ), https://ierj.in/journal/index.php/ierj/article/view/2811

The Unified Experience Theory in Art: A Comprehensive Overview - Philosophy Institute, https://philosophy.institute/aesthetics/unified-experience-theory-art-overview/

(PDF) Art integrated learning: An innovative and inclusive approach to Education-ResearchGate,

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

https://www.researchgate.net/publication/372372365_Art_integrated_learning_An_innovative_and_inclusive_approach_to_Education

(PDF) Inclusiveness in the classroom through Art-integrated learning - ResearchGate, https://www.researchgate.net/publication/400836938_Inclusiveness_in_the_classroom_through_Art-integrated_learning

15. The Evolution of Indian Aesthetic Thought from Vedic to Classical Periods - Deep Science Publishing, https://deepscienceresearch.com/dsr/catalog/download/371/1727/3290?inline=1

Analytical Discussion of Rasa Theory in Indian Painting - ResearchGate, https://www.researchgate.net/publication/391714257_Analytical_Discussion_of_Rasa_Theory_in_Indian_Painting

Understanding Rasa Theory in Poetry | PDF | Emotions | Aesthetics -Scribd, https://www.scribd.com/document/556827703/The-theory-of-Rasa-by-Jivan-Chaudhary

(PDF) Investigating the Role of Home Learning Environment in Shaping Children's Literacy Development: A Comparative Analysis of Two Families in Rural India - ResearchGate, https://www.researchgate.net/publication/387471245_Investigating_the_Role_of_Home_Learning_Environment_in_Shaping_Children's_Literacy_Development_A_Comparative_Analysis_of_Two_Families_in_Rural_India

(PDF) RECONFIGURING PEDAGOGICAL CONSTRUCTS: A SCOPING REVIEW OF ART-INTEGRATED LEARNING - ResearchGate, https://www.researchgate.net/publication/392183730_RECONFIGURING_PEDAGOGICAL_CONSTRUCTS_A_SCOPING_REVIEW_OF_ART-INTEGRATED_LEARNING

Indian Knowledge System: Aesthetics, Philosophy, Cultural Semiotics , Skill Education and Contemporary Relevance - Google Books, https://books.google.com/books/about/Indian_Knowledge_System_Aesthetics_Philo.html?id=iceaEQAAQBAJ

Art Integrated Learning: A Creative Path to Holistic Education - Ecole Globale, https://www.ecoleglobale.com/blog/art-integrated-learning/

holistic development through art integration in the context of nep 2020 - The Social Science Review A Multidisciplinary Journal, https://tssreview.in/wp-content/uploads/2023/12/15-Sreejani-Rajib-Saha.pdf

Art IntegratedLearning Guidelines | PDF | Pedagogy - Scribd, https://www.scribd.com/document/674739134/AILG-Secondary-English-1

SECONDARY SCHOOL CURRICULUM - Bhartiya Shiksha Board, https://bsb.org.in/public/frontend/assets/documents/curriculum/INITIAL_PAGES__including_Scheme_of_studies__Class_IX_2025-26_final.pdf

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

पीएम श्री केंद्रीय वद्यालय दप्पर पुस्तकालय PMSHRI K V DAPPAR LIBRARY, https://kvdapparlibrary.blogspot.com/

Indian Knowledge Tradition and Chatushashti Art - Social Research Foundation, https://www.socialresearchfoundation.com/new/publish-journal.php?editID=11537

प्राचीन भारत में शक्षक-शक्षा - Samvardhini, https://samvardhini.in/samvardhini-admin/article_files/1688030999.pdf

14 Vidyas and 64 Kalas Overview | PDF | Puranas | Hindu Astrology - Scribd, https://www.scribd.com/document/656873828/ANCIENT-INDIAN-14-VIDYA-TECHNIQUES-64-KALAS-ART-FORMS

वष-18 संख्या-3-2015, https://www.universityofpatanjali.com/assets/published/Kalasarover_small.pdf

The Essence of NatyaVeda (NatyaShastra) - Natya-Shastra.in, https://natya-shastra.in/the-essence-of-natyaveda-natyashastra/

bharat aur Unka natya shastra - Ibiblio, http://www.ibiblio.org/guruguha/MusicResearchLibrary/Books-Hin/BkHin-BrajaVallabhaMisra-bharat-aur-unkA-naTyaSAstra-0002.pdf

2024030611.pdf - S3waas, https://cdnbbsr.s3waas.gov.in/s3kv0107cbe72d57e72df0262295fc8407/uploads/2024/03/2024030611.pdf

Planning and organization of art integrated learning | PDF - Slideshare, https://www.slideshare.net/slideshow/planning-and-organization-of-art-integrated-learning/129423350

NCERT, https://ncert.nic.in/

गुणवत्तापूण एवं समावेशी शक्षा का माग - Drishti IAS, https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-editorials/path-to-quality-and-inclusiveeducation

Print Materials-NCERT,https://ncert.nic.in/deaa/print-materials.php?ln=en

Self-realization through aesthetic experience: An examination of rasa theory with implications for aesthetic inquiry in discipline-based art education - ProQuest, https://search.proquest.com/openview/ab1629d8191509c969d613cbf5b065db/1?pq-origsite=gscholar&cbl=18750&diss=y